



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 85] नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 17, 1986/फाल्गुन 26, 1907  
No. 85] NEW DELHI, MONDAY, MARCH 17, 1986/PHALGUNA 26, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके  
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वस्त्र मंत्रालय

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1986

आदेश

क.अ.० 98 (ज).—केन्द्रीय सरकार, हथकरघा (उत्पादनार्थ वस्तु आरक्षण) अधिनियम, 1985 (1985 का 22) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेश देती है कि उक्त अधिनियम के उन उपबन्धों के अधीन जो नोचे सारणों के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट हैं, उसके द्वारा प्रयोज्य शक्तियां उक्त सारणों के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट तत्सम्बन्धी अधिकारी या प्राधिकारी द्वारा भी प्रयोज्य होंगी, अर्थात्:—

सारणी

केन्द्रीय सरकार के अधीन अधोनस्थ कार्यालय	अधिकारी/अधिकारियों का/की पदनाम	प्रत्यायोजित शक्तियां
1	2	3
(क) हथकरघा विकास और प्रगति, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार।	1. हथकरघा विकास आयुक्त, हथकरघा अपर विकास आयुक्त और हथकरघा संयुक्त विकास आयुक्त। 2. हथकरघा विकास आयुक्त के कार्यालय में मुख्य प्रवर्तन अधिकारी। 3. हथकरघा विकास आयुक्त के कार्यालय में प्रादेशिक उप-मुख्य प्रवर्तन अधिकारी। 4. हथकरघा विकास आयुक्त के कार्यालय में सहायक निदेशक और प्रवर्तन अधिकारी।	*धाराएँ 4, 6, 7, 8, और 16 *धाराएँ 6, 7, और 8 *धाराएँ 6, 7, और 8 *धाराएँ 6, 7 और 8

1	2	3
(ख) वस्त्र आयुक्त कार्यालय, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार	1. वस्त्र आयुक्त, अपर वस्त्र आयुक्त और संयुक्त वस्त्र आयुक्त। 2. वस्त्र आयुक्त के कार्यालय में प्रादेशिक कार्यालयों के प्रभारी निदेशक 3. वस्त्र आयुक्त के कार्यालय में प्रवर्तन अधिकारी	*धारायें 6, 7, और 8 *धारायें 6, 7 और 8 *धारायें 6, 7, और 8
(ग) हथकरवा प्रभारी राज्य निदेशालय का कार्यालय	1. हथकरवा प्रभारी राज्य निदेशक और संयुक्त निदेशक 2. हथकरवा प्रभारी राज्य निदेशालय के कार्यालय में हथकरवा उप-निदेशक, सहायक निदेशक और प्रवर्तन अधिकारी।	*धारायें 6, 7 और 8 *धारायें 6, 7 और 8

\*धारा 4—सचाहकार समिति का गठन।

\*धारा 6—जानकारी और नमूने मंगाने की शक्ति।

\*धारा 7—प्रवेश और निरीक्षण की शक्ति।

\*धारा 8—तलाशी लेने और अभिग्रहण करने की शक्ति।

\*धारा 16—निदेश देने की केन्द्रीय सरकार की शक्ति।

[सं० 117(3-आर)-डी०सी० एच०/85-ई० एंड एस्०]

### MINISTRY OF TEXTILES

New Delhi, the 10th March, 1986

#### ORDER

S.O 93(E).—In exercise of the power conferred by section 15 of the Handlooms (Reservation of Articles for Production) Act, 1985 (22 of 1985), the Central Government hereby directs that the power exercisable by it under the provisions of the said Act as specified in column (3) of the Table below shall be exercisable also by the corresponding officer or authority as specified in column (2) of the said Table, namely :—

Offices subordinated to Central Government	Designation of the Officer/Officers	Powers Delegated
1	2	3
A. Office of the Development Commissioner for Handlooms, Ministry of Textiles, Government of India.	1. Development Commissioner for Handlooms, Additional Development Commissioner for Handlooms and Joint Development Commissioner for Handlooms. 2. Chief Enforcement Officer, Office of the Development Commissioner for Handlooms. 3. Regional/Deputy Chief Enforcement Officer, Office of the Development Commissioner for Handlooms. 4. Assistant Director and Enforcement Officer in the Office of the Development Commissioner for Handlooms.	*Sections 4, 6, 7, 8 and 16 *Sections 6, 7 and 8 *Sections 6, 7 and 8 *Sections 6, 7 and 8
B. Office of the Textile Commissioner, Ministry of Textiles, Government of India.	1. Textile Commissioner, Additional Textile Commissioner and Joint Textile Commissioner. 2. Director incharge of Regional Office, Office of the Textile Commissioner. 3. Enforcement Officer, Office of the Textile Commissioner.	*Sections 6, 7 and 8 *Sections 6, 7 and 8 *Sections 6, 7 and 8
C. Office of the State Directorate incharge of Handlooms.	1. State Director and Joint Director incharge of Handlooms. 2. Deputy Director, Assistant Director incharge of Handlooms and Enforcement Officer in the Office of the State Directorate incharge of Handlooms.	*Sections 6, 7 and 8 *Sections 6, 7 and 8

\*Section 4—Constitution of the Advisory Committee.

\*Section 6—Power to call for information or to furnish samples.

\*Section 7—Power to enter and inspect.

\*Section 8—Power to search and seize.

\*Section 16—Power of Central Government to give directions.

[No. DCH/17(3-R)/85-E&S]

नई दिल्ली, 11 मार्च, 1986

## आदेश

का.आ. 99(अ):—हथकरघा (उत्पादनार्थ वस्तु आरक्षण) अधिनियम, 1985 (1985 का 22) की धारा-3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सलाहकार समिति द्वारा की गई सिफारिशों पर विचार करने के पश्चात् कि हथकरघा उद्योग के संरक्षण और विकास के लिये ऐसा करना आवश्यक है केन्द्र सरकार एतद्द्वारा 31 मार्च, 1986 का और से निम्नलिखित तालिका में वर्णित वस्तुओं अथवा वस्तुओं की श्रेणियों का उत्पादन केवल हथकरघों द्वारा आरक्षित करने का निदेश देती है :—

## तालिका

क्रम सं.	वस्तु	हथकरघों द्वारा उत्पादन हेतु आरक्षित क्षेत्र
1	2	3
1. साड़ी :		<p>साड़ी सफेद अथवा विरंजित अथवा कुछ रंगे अथवा अधिक ताने अथवा अधिक बाने के साथ रंगे हुए सूत से बुना हुआ ऐसा कपड़ा है, जिसमें निम्नलिखित संयुक्त विशेषताएं भी हैं:—</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>(1) इसे बार्डर (पल्लू) और/अथवा रंगीन सूत अथवा सफेद (ग्रे) अथवा विरंजित सूत अथवा जरी अथवा अन्य धात्विक/धातु की तह चढ़े सूत अथवा इन सभी के मिश्रित सूत के शीर्ष भाग की बुनाई की विलक्षणता में पहचाना जा सकता है ;</li> <li>(2) इसकी चौड़ाई 70 सें.मी. से 140 सें.मी. (किनारे सहित) के बीच होती है ;</li> <li>(3) इसकी लम्बाई 2.5 मीटर से 9.5 मीटर के बीच होती है ;</li> <li>(4) इसे सामान्यतः देश के अलग-अलग भागों में अलग-अलग नामों से प्रसिद्ध नाम से जाना जाता है ;</li> <li>(5) इसे किसी भी प्राकृतिक अथवा मानव निर्मित सूत (सिंथेटिक सूत सहित) अथवा दोनों के किसी मिश्रण से निर्मित किया जाता है ;</li> </ol> <p>बोर्डर (किनारा)</p> <p>बोर्डर को रेशम, कृत्रिम रेशम, जरी अथवा अन्य किसी धात्विक/धातु की तह चढ़े धागे सहित सफेद, विरंजित, चिकने और/अथवा रंगीन धागे से लम्बाई में और किनारे के बिल्कुल समीप बुने गए कपड़े के मुख्य भाग से अलग बुने गये किसी भी प्रकार के रूप में परिभाषित किया जा सकता है ।</p> <p>हैंडिंग /क्रास बोर्डर</p> <p>इसको रेशम, कृत्रिम रेशम, जरी अथवा अन्य किसी धात्विक/धातु की तह चढ़े धागे सहित सफेद, विरंजित, चिकने अथवा रंगीन धागे से चौड़ाई में बुने गये कपड़े के मुख्य भाग से अलग बुने गये किसी भी प्रकार के रूप में परिभाषित किया जा सकता है ।</p>
2. कोटा डोरिया साड़ी :		<p>कोटा डोरिया साड़ी सफेद अथवा विरंजित बुना हुआ सादा कपड़ा है जिसकी निम्नलिखित संयुक्त विशेषताएं हैं :—</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>(1) इसे पूर्ण रूप से सूती अथवा सूती प्रधानता के साथ-साथ किसी अन्य रेशे के मिश्रण से तैयार किया जाता है ।</li> <li>(2) इसमें ताने अथवा बाने और दोनों धागों को खचाखच भरकर डोरी का रूप दिया जाता है अथवा विभिन्न काउंटों के धागे का प्रयोग करके ताने अथवा बाने का और धारदार नमूना बनाया जाता है ।</li> <li>(3) इसकी (किनारे सहित) चौड़ाई 90 सें.मी. से 140 सें.मी. के बीच होती है ।</li> <li>(4) इसकी लम्बाई 5 मीटर से 8.5 मीटर के बीच होती है । और</li> <li>(5) इसे सामान्यतः इसी नाम से जाना जाता है ।</li> </ol>
3. बांधन और रंजित साड़ी और सामान :		<p>बांधन और रंजित कपड़ा, सूत को विभिन्न रंगों में रंग कर व प्रत्येक रंग के सूत की ताने-बार और बाने-बार गांठ लगाकर बनाया जाता है । इसे किसी भी रेशे अथवा रेशों को मिलाकर बनाया जाता है ।</p>
4. धोती :		<p>धोती बोर्डर और बोर्डर में अधिक ताने सहित एक अथवा विरंजित सफेद सादा बुना हुआ कपड़ा है । इसकी संयुक्त विशेषताएं इस प्रकार हैं :—</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>(1) इसे किसी भी प्राकृतिक रेशे अथवा मानव निर्मित रेशे (सिंथेटिक सहित) अथवा दोनों के मिश्रण से बनाया जाता है ;</li> <li>(2) इसके बुने हुए बोर्डर और/अथवा शीर्ष में, सफेद अथवा रंगीन सूत अथवा जरी अथवा कोई अन्य धात्विक/धातु की तह चढ़े सूत अथवा इन सब के मिश्रण का प्रयोग किया जाता है ;</li> </ol>

1

2

3

- (3) इसकी (किनारे सहित) चौड़ाई 70 सें.मी० से 140 सें.मी० के बीच होती है।  
 (4) इसकी लम्बाई 1.5 मीटर से 5 मीटर के बीच होती है; और  
 (5) इसे सामान्यतः इसी नाम से जाना जाता है।

बोर्डर (किनारा)

बोर्डर को रेशम, कृत्रिम रेशम, जरी अथवा अन्य किसी धात्विक/धातु की तह चढ़े धागे सहित सफेद विरजित, चिकने और/अथवा रंगीन धागे से लम्बाई में और किनारे के बिल्कुल समीप बुने गये कपड़े के मुख्य भाग से अलग बुने गये किसी भी प्रकार के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

हैंडिंग/कास बोर्डर

इसको रेशम, कृत्रिम, रेशम, जरी अथवा अन्य किसी धात्विक/धातु की यह तह चढ़े धागे सहित सफेद, विरजित, चिकने अथवा रंगीन धागे से चौड़ाई में बुने गये कपड़े के मुख्य भाग से अलग बुने गये किसी भी प्रकार के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

#### 5. गमछा और अंग वस्त्र :

(क) गमछा :—

गमछा एक ऐसा कपड़ा है जिसे शरीर के ऊपरी हिस्से को ढकने के लिये प्रयोग किया जाता है और इसे तौलिये व सिर को ढकने के काम में भी लाया जाता है। इसे सफेद अथवा विरजित अथवा दोनों के मिश्रित केवल सूती सूत से ढीली बुनाई से तैयार किया जाता है इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :—

- (1) इसकी चौड़ाई 75 सें.मी० से 90 सें.मी० के बीच होती है,  
 (2) इसकी लम्बाई 1 मीटर से 1.82 मीटर के बीच होती है;

(ख) अंगवस्त्र :—

अंगवस्त्र सफेद अथवा विरजित एक ऐसा कपड़ा है जिसके बोर्डर और बोर्डर में अधिक ताने की सादी बुनाई की जाती है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :—

- (1) इसे किसी प्राकृतिक अथवा मानव निर्मित रेशे (सिंथेटिक सहित) अथवा इनके मिश्रण से तैयार किया जाता है।  
 (2) इसके बुने हुए बोर्डर और/अथवा शीर्ष में सफेद अथवा रंगीन सूत अथवा जरी अथवा कोई अन्य धात्विक धातु की तहचढ़े सूत अथवा इन सब के मिश्रण का प्रयोग होता है;  
 (3) (किनारे सहित) इसकी चौड़ाई 70 सें.मी० से 100 सें.मी० के बीच होती है।  
 (4) इसकी लम्बाई 1.5 मीटर से 3.00 मीटर के बीच होती है; और  
 (5) सामान्यतः इसे इसी नाम से जाना जाता है।

#### 6. लुंगी :

लुंगी एक चारखानों के डिजाइन वाला रंगीन धागो से सादी बुनाई किया गया कपड़ा है जो टुकड़ों में अथवा निरन्तर लम्बाई में मिलता है। इसकी मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं :—

- (1) इसे किसी भी प्राकृतिक रेशे अथवा मानव निर्मित रेशे (सिंथेटिक सहित) अथवा दोनों के मिश्रण से बनाया जाता है;  
 (2) इसमें बोर्डर हो भी सकता है अथवा नहीं भी हो सकता;  
 (3) इसकी चौड़ाई 70 सें.मी० से 140 सें.मी० के बीच होती है;  
 (4) इसकी लम्बाई टुकड़ों में अथवा निरन्तर लम्बाई में 1.5 सें.मी० से 2.5 सें.मी० के बीच होती है; और  
 (5) इसे सामान्यतः लुंगी, सरीगत, कौलज मुटस, बखानाज और पक्कोडि जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है।

#### 7. कमीज का कपड़ा :

कमीज का कपड़ा एक ऐसा कपड़ा है जो सफेद अथवा रंगीन सूत द्वारा चारखानों के डिजाइन में पूर्ण रूप से सत से बनाया जाता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :—

- (1) इसे निरन्तर लम्बाई में तैयार किया जाता है, और  
 (2) इसकी चौड़ाई 70 सें.मी० से 130 सें.मी० के बीच होती है।

1	2	3
6. क्रेप वस्त्र .		<p>क्रेप एक ऐसा वस्त्र है जिसे ताने अथवा बाने दोनों में अथवा सामान्य ऎंटे गए सूत के मिश्रण में ७८७. तरह ऎंटे हुए गुनी धागे द्वारा तैयार किया जाता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :—</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>(1) इसे निम्नतर लम्बाई में तैयार किया जाता है ;</li> <li>(2) इसकी सतह सिजवट वाली सिकुड़न वाली अथवा दानेदार होती है ;</li> <li>(3) इसे सफेद अथवा विरंजित अथवा रंगीन किरमों में तैयार किया जाता है ; और</li> <li>(4) इसकी चौड़ाई 70 से.मी. से 130 से. मी. के बीच होती है।</li> </ol>
9. तौलिया :		<p>तौलिया बोर्डर अथवा शोर्ष एहिं कपड़े का एक ऐसा टुकड़ा है जिसे सादी चटाई दुइल छत्ते, हुक-बेक अथवा इन सबके मिश्रण से बुना जाता है। जिसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :—</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>(1) इसे सूत अथवा सूत के मिश्रण के साथ अन्य रेशों को मिलाकर तैयार किया जाता है ;</li> <li>(2) इसे अलग-अलग आकारों में तैयार किया जाता है ;</li> <li>(3) यह सफेद अथवा रंगीन हो सकता है ; और</li> <li>(4) जैकार्ड पर तैयार किए गए तौलिए सुन्दर डिजायन वाले हो सकते हैं।</li> </ol> <p>मैट बुनाई के साथ तैयार किया गया तौलिया सामान्यतः केरल में इरझा थोरथू और तमिलनाडु में इरझा थून्डू के नाम से जाना जाता है।</p>
10. खेस, पलंग की चादर, बैड कवर, पलंग पोस और (दीवार-दरी सहित) साज/सज्जा का सामान		<p>(क) खेस :—</p> <p>खेस एक ऐसा कपड़े का टुकड़ा है जिससे सफेद अथवा विरंजित अथवा रंगीन नुत के साथ सादा अथवा धारियों में चारखाने वाले डिजाइनों में डबल कनाय बुनाई जिसकी काउंटों की सीमा ताने में 2/8 एस. से 2/22 एस और बाने में 8 एस. से 12 एस. होती है। में बुना जाता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :—</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>(1) इसे पूर्ण रूप से सूती कृत्रिम रेशम अथवा इन के मिश्रण से तैयार किया जाता है।</li> <li>(2) इसकी चौड़ाई 75 से.मी. से 225 से.मी. के बीच होती है ;</li> <li>(3) इसकी लम्बाई, 1.50 मीटर से 2.8 से.मी. के बीच होती है ; और</li> <li>(4) सामान्यतः इसे इसी नाम से जाना जाता है।</li> </ol> <p>(ख) पलंग की चादर :—</p> <p>पलंग की चादर कपड़े का एक ऐसा टुकड़ा है जिसे बार्डर में लम्बाईवार और चौड़ाई-वार रंगीन सूत से बुना जाता है।</p> <p>और इसे पलंग पर बिछाया जा सकता है और इसमें पलंग की चादरें शामिल हैं। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :—</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>(1) इसे पूर्ण रूप से सूती, कृत्रिम रेशम अथवा इनके मिश्रण से तैयार किया जाता है ;</li> <li>(2) इसे साटन सहित, डाबी अथवा जैकार्ड सहित अथवा रहित बुनाइयों के मिश्रण से तैयार किया जाता है ,</li> <li>(3) इसकी चौड़ाई 110 से.मी. से 155 से.मी. के बीच होती है ;</li> <li>(4) इसकी लम्बाई 1.5 मीटर से 2.8 मीटर के बीच होती है , और</li> <li>(5) इसे सामान्यतः इसी नाम से जाना जाता है।</li> </ol> <p>(ग) बैड-कवर :</p> <p>बैड-कवर एक ऐसा कपड़ा है जिसे सफेद अथवा विरंजित अथवा रंगीन धागे से वनस्पतीय अथवा ज्यामितय डिजाइनों में चारखानों बार्डर और/अथवा शोर्ष सहित ' अथवा रहित अथवा रंगीन बुना होता है। बैड जब प्रयोगमें न लाया जा रहा हो तो उसे ढकने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है। इसकी संयुक्त विशेषतायें निम्नलिखित हैं :—</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>(1) इसे पूर्ण रूप से सूती, कृत्रिम रेशम अथवा इनके मिश्रण से तैयार किया जाता है ,</li> <li>(2) इसे साटन सहित, डाबी अथवा जैकार्ड सहित अथवा रहित बुनाइयों के मिश्रण से तैयार किया जा सकता है ,</li> <li>(3) इसकी चौड़ाई 75 से.मी. से 225 से.मी. के बीच होती है ,</li> <li>(4) इसकी लम्बाई 1.5 मीटर से 2.8 मीटर के बीच होती है ; और</li> <li>(5) इसे सामान्यतः इसी नाम से जाना जाता है।</li> </ol>

1

2

3

## (घ) पलंग-पोस :

पलंग पोस एक ऐसा कपड़ा है जिसे सफेद अथवा विरंजित अथवा रंगीन धागे से स्ट्रिप्स सहित अथवा रहित अथवा चारखानों अथवा वनस्पताय अथवा ज्यामितिक डिजाइनों बार्डर और/अथवा शार्प में उभरी आकृतियों में बुना जाता है। बैड को बाहर ले ढकने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :—

- (1) इसे पूर्ण रूप से सूती, कृत्रिम रेशम अथवा इनके मिश्रण से तैयार किया जाता है ;
- (2) इसे साटन सहित, डाबो अथवा जैकाडे सहित अथवा रहित बुनाइयों के मिश्रण से तैयार किया जा सकता है ;
- (3) इसकी चौड़ाई 75 से.मी. से 225 से. मी. के बीच होती है ;
- (4) इसकी लम्बाई 1.50 मीटर 2.8 मीटर के बीच होती है ; और
- (5) इसे सामान्यतः इसी नाम से जाना जाता है। कुछ क्षेत्रों में इसे "कैडल विक" के नाम से भी जाना जाता है।

## (ङ) दीवार दरी महित साज-सज्जा का सामान .—

(दीवार दरी सहित) साज-सज्जा का सामान एक ऐसा कपड़े का टुकड़ा है जिसे सफेद अथवा विरंजित अथवा रंगीन धागे से और दोहरे ताने का बुनाई अथवा पोक बुनाई में बुना जाता है इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :—

- (1) इसे पूर्ण रूप से सूती कृत्रिम रेशम अथवा इनके मिश्रण से तैयार किया जाता है ;
- (2) इसकी चौड़ाई 75 से.मी. से 225 से. मी. के बीच होती है।
- (3) इसे निरन्तर लम्बाई में तैयार किया जाता है ;
- (4) इसका प्रयोग साज-सज्जा के लिए किया जाता है।

## 11. टेबल-क्लाथ, टेबल मेट और नेपकिन्स :

इसे या तो विरंजित अथवा रंजित धागे से किसी भी पद्धति से बुना जाता है और इसे पूर्ण रूप से सूती अथवा कृत्रिम रेशम अथवा इनके मिश्रण से तैयार किया जाता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :—

- (1) इसे अलग-अलग आकारों में तैयार किया जाता है ;
- (2) इसके किनारे हो भी सकते हैं नहीं भी हो सकते हैं ,
- (3) इसके चारों तरफ बुने हुए बार्डर होने चाहिए; और
- (4) इससे सामान्यतः टेबल क्लथ, टेबल मेट और नेपकिन जैसे अलग-अलग नामों से जाना जाता है।

## 12. डस्टर और बस्ता :

डस्टर एक ऐसा कपड़ा है जिसने मोटे धागे से, 10 एप. काउंट से अधिक नहीं (10एस. तक रिगल्टर काउंट सहित) मादे अथवा टुल रूप से बुना जाता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :—

- (1) इसे पूर्ण रूप से सूती कपड़े से तैयार किया जाता है ;
- (2) इसके सभी तरफ बार्डर हो भी सकता है नही भी हो सकता ,
- (3) इसे अलग-अलग आकारों में तैयार किया जाता है और यह निरन्तर लम्बाई में हो सकता है ; और
- (4) इसका प्रयोग झाड़ने के लिए किया जाता है।

## 13. चादर :

चादर का अर्थ ऐसे कपड़े के टुकड़े से है जिसका साज को तरह शरार ढकने के लिए प्रयोग किया जाता है। इससे सफेद, विरंजित अथवा रंगीन सूत अथवा मिश्रित धागे से तैयार किया जाता है इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :—

- (1) इसे चारखाने अथवा स्ट्रिप पद्धति से बुना जाता है। इसके पूर्वोक्त भारत में बार्डर और क्रस बार्डर सहित अलंकरणित डिजाइनों से तैयार मेडन, अथवा फ्रेड चादर भी शामिल है।

## 14. जामाकालम दरी अथवा बुररेट

यह एक ऐसा कपड़ा है जिसका प्रयोग फर्श ढकने के लिए दरी अथवा बुररेट के रूप में किया जाता है। इसमें अधिक ताना अथवा अधिक बाना होता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :—

- (1) इसे तैयार करने के लिए ताने और बाने दोनों में 4 एस से 12 एस का रेंज के बुना मोटे काउंट का प्रयोग किया जाता है ;

1

2

3

- (2) इसे सादा अथवा टुइल—इनके पंशोधनों सहित, बुनाई में अथवा सादी और टुइल दोनों को मिश्रित बुनाई में अथवा वेल्वेट तकनीक में अथवा जनील तकनीक में बुना जाता है;
- (3) इसे सफेद अथवा विरंजित अथवा रंजित सूती अथवा कृत्रिम रेशमी अथवा ऊनो धागे सहित दोनों के मिश्रण से तैयार किया जाता है; इसे मोनों रंग में भी तैयार किया जाता है;
- (4) इसमें अधिक ताना अथवा अधिक बाना हो भी सकता है नहीं भी हो सकता;
- (5) किनारों के सिरों को छोटा दोहरा करके मोटे किनारे प्राप्त किए जाने हैं और यही इसकी विशेषता है;
- (6) इसे अलग-अलग आंगरों में बनाया जाता है और इसे सामान्यतः अलग-अलग क्षेत्रों में जामाकालम, दरो, दुररेट, आदि जैसे अलग-अलग नामों से जाना जाता है।

## 15. बक्रम कपड़ा :

बक्रम कपड़ा एक ऐसा कपड़े का टुकड़ा है जिसे मोटे धागे से बुना जाता है। शर्ट, कोट, आदि के कालरों में पेडिंग अथवा लाइनिंग के लिए इसका प्रयोग किया जाता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं—

- (1) इसे सूत, ऊन, जूट अथवा मिश्रण से तैयार किया जाता है, और
- (2) इसे ताने और बाने में 8 एस. से 12 एस. के काउंटों में तैयार किया जाता है।

## 16. मशरू कपड़ा :

मशरू कपड़ा रेशमी अथवा रेयन ताने और सूती बाने सहित साटिन में बुना हुआ एक प्रकार का काड़ा है। रंगीन स्ट्रिप्स इसकी विशेषता है।

## 17. लो रीड पिक :

सभी लो रीड कपड़ा सूती में तैयार किया जाता है और इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं—

- (1) क्रमशः 36 और 32 से कम रीडों और पिकों सहित ग्रुप-3 में कपड़ा;
- (2) क्रमशः 40 और 36 से कम रीडों और पिकों सहित ग्रुप 4, 5 और 6 में कपड़ा;
- (3) क्रमशः 44 और 40 से कम रीडों और पिकों सहित ग्रुप 7 और 3 ऊपर में कपड़ा,
- (4) इस दिशा में इनके लिए कुछ भी लागू नहीं होगा—
- (क) धोती और साड़ी,
- (ख) सुसत्र;
- (ग) मच्छर दानी का कपड़ा;
- (घ) लम्बा कपड़ा,
- (ङ) जालीदार कपड़ा; और
- (च) रंजित और छपा हुआ कपड़ा।

## स्पष्टीकरण :—

ऊपर उल्लिखित अभिव्यंजना ग्रुप अथवा ग्रुपों का अर्थ नीचे अनुसूची में विशेषीकृत कपड़ा ग्रुप अथवा ग्रुपों से है—

## अनुसूची

ग्रुप	मूलभूत काउंट		अनुज्ञेय काउंट	
	ताना	बाना	ताना	बाना
1	14	10	9-14	9-12
2	14	14	12-16	13-16
3	20	20	17-21	17-24
4	22	30	22-25	25-34
5	30	30	26-36	26-34
6	30	40	35-42	35-42
7	40	40	35-42	35-42

1 2

3

18. रेशम :

- (क) सभी शुद्ध रेशम अथवा निम्नलिखित के अलावा अन्य कपड़े के साथ मिश्रण में रेशम के किसी प्रतिशत से बना गया :—
- (1) सफेद (अदिरंजित) सादा कपड़ा;
  - (2) रत्नित और धात्विक धागे के प्रयोग बिना और बिना किसी बुने हुई डिजाइन के विरंजित कपड़ा; और
  - (3) गिफोन, क्रेप और जोरजेट।
- (ख) गहलूत और अ-गहलूत रेशम के छिजन और धागे से बनाया गया कपड़ा।

19. कम्बल अथवा कम्बली :

ऊनी कम्बल अथवा कम्बली की रेशेदार सतह होती है और इसे ऊन के बने मोटे कपड़े से माइलिंग और रेजिंग द्वारा तैयार किया जाता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :—

- (1) ऊनी कम्बल अथवा कम्बली हाथ से कते, मिल से कते, बदतरीन, ऊन अथवा अन्य किसी मिश्रित धागे से सादे स्ट्रूप अथवा चारखाने के डिजाइनों में तैयार किया जाता है।
- (2) इसे ताने और बुने में 4 एन.एम. काउंट (250 टेक्स) तक का प्रयोग करके तैयार किया जाता है; और
- (3) इसकी निम्न चौड़ाई 300-500 ग्राम/वर्ग मीटर होती है।

20. बेरक कम्बल :

बेरक कम्बल की रेशेदार सतह होती है और इसे ऊनी धागे के बने मोटे कपड़े से माइलिंग और रेजिंग द्वारा तैयार किया जाता है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :—

- (1) ऊनी कम्बल हाथ से कते, मिल से कते, प्राकृतिक सफेद/काली ऊन के ऊनी धागे अथवा पशुमना अथवा अन्य प्रकार की ऊन और अन्य कपड़ों के साथ इस ऊन को मिला कर तैयार किया जाता है; और
- (2) इसे किसी भी आकार और बुनाई में तैयार किया जाता है।

21. शाल, लोई, मफलर, पंखे, आदि।

शाल एक ऐसे कपड़े का टुकड़ा है जिसे बदतरीन अथवा ऊनी अथवा कैशमिरान अथवा अन्य किसी रेशे से बना जाता है। महिलाओं अथवा पुरुषों द्वारा अपने शरीर को ढकने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है। इसे कंधे से ऊपर ओढ़ा जाता है और इसमें कोई सिलाई प्रविष्टि निहित नहीं है। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :—

- (1) इसे जैकार्ड मोड़ों और डिजाइनों में तैयार किया जाता है;
- (2) इसे किसी भी प्रकार के ऊनी धागे, बदतरीन धागे अथवा मिश्रित धागे और इनके मिश्रण से तैयार किया जाता है;
- (3) इसे किसी भी धागे के काउंट से तैयार किया जाता है;
- (4) इसे किसी भी लम्बाई, चौड़ाई और वजन में तैयार किया जाता है; और
- (5) इसे सामान्यतः इस नाम से जाना जाता है।

शाल में लोई, पंखे के साथ-साथ मफलर भी शामिल है। इसमें कुल्लू, किमसुरी, कनी, पशुमना, धोरी, लिगंचू (तिखनी) सोप, आदि परम्परागत शालें भी शामिल हैं।

22. ऊनी कपड़ा :

यह एक ऐसा कपड़े का टुकड़ा है जिसे 100 प्रतिशत शुद्ध ऊनी धागे से तैयार किया जाता है। इससे कोट, जैकेट और पहनने के कपड़े बनाए जाते हैं। इसकी संयुक्त विशेषताएं निम्नलिखित हैं :—

- (1) इसे ताने और बुने में 7 एन.एम. से 9 एन.एम. काउंट से तैयार किया जाता है;
- (2) इसे किसी भी लम्बाई और चौड़ाई में तैयार किया जाता है;
- (3) इसे चारखाने अथवा स्ट्रूप डिजाइन में तैयार किया जाता है; और
- (4) इसे दुइल बुनाई में तैयार किया जाता है।

[सं. डी.सी. एच./17(3-आर)/85-ई.एंड एस]

सी.डी. चौमा, संयुक्त सचिव



New Delhi, the 11th March, 1986

## ORDER

S.O. 99(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Handlooms (Reservation of Articles for Production) Act, 1985 (22 of 1985), the Central Government being satisfied after considering the recommendations made to it by the Advisory Committee that it is necessary so to do for the protection and development of the handloom industry, hereby directs that on and from the 31st day of March, 1986, the articles or class of articles specified in the table below shall be reserved for exclusive production by handlooms, namely :—

TABLE

S. No.	Item	Range reserved for production by Handlooms
1. Saree :		<p>Saree is a cloth in any weave either in grey or bleached or piece-dyed or woven with coloured yarn with extra warp or extra weft, which is also jointly characterised by the following :—</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) is characterised by its woven borders and/or headings containing coloured yarn or grey or bleached yarn or zari or any other metallic/metallised yarn or a combination of these;</li> <li>(ii) has a width ranging between 70 cms and 140 cms (inclusive of selvages);</li> <li>(iii) has a length ranging from 2.5 metres to 9.5 metres;</li> <li>(iv) is commonly known by that name/distinguished by different names in different parts of the country;</li> <li>(v) is made from any natural or man-made fibre (including synthetic fibre) or in any combination thereof.</li> </ul> <p>Border :</p> <p>Border may be defined as any pattern different from that of the body of the fabric woven length-wise close to the selvages using grey, bleached, mercerised and/or coloured yarn including silk, art silk, zari or any other metallic/metallised yarn.</p> <p>Heading/Cross Border :</p> <p>Can be defined as any pattern different from that of the body of the fabric woven width-wise with grey, bleached, mercerised or coloured yarn including silk, art silk, zari or any other metallic/metallised yarn.</p>
2. Kotah Doria Saree :		<p>Kotah Doria Saree is a plain woven cloth either grey or bleached which is also jointly characterised by the following :—</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) is manufactured wholly from cotton or predominantly cotton alongwith combination of any other fibre;</li> <li>(ii) has corded effect obtained by cramming either the warp or weft threads or both or by using threads of different counts to form stripe pattern warp-way or weft-way;</li> <li>(iii) has a width ranging from 90 cms to 140 cms (inclusive of selvages);</li> <li>(iv) has length ranging from 5 metres to 8.5 metres; and</li> <li>(v) is commonly known by that name.</li> </ul>
3. Tie & Dye Saree and material :		<p>Tie and Dye fabrics are made by dyeing the yarn used in manufacture of the fabrics in different colours by tying the yarn in knots separately for each colour both weft-wise and warp-wise and is manufactured from any fibre or in combination of fibres.</p>
4. Dhoti :		<p>Dhoti is a grey or bleached cloth of plain weave woven with border with extra warp in the border which is also jointly characterised by the following :—</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) is made from any natural or man-made fibre (including synthetic) or in any combination thereof;</li> <li>(ii) contains white or coloured yarn or zari or any other metallic/metallised yarn or a combination of these in its woven borders and/or headings;</li> <li>(iii) has a width ranging from 70 cms to 140 cms (inclusive of selvages);</li> <li>(iv) has a length varying from 1.5 metres to 5.0 metres; and</li> <li>(v) is commonly known by that name.</li> </ul>

S. No.	Item	Range reserved for production by Handlooms
	<b>Border :</b>	
	May be defined as any pattern different from that of the body of the fabric woven length-wise close to the selvages using grey, bleached, mercerised and/or coloured yarn including silk, art silk, zari or any other metallic/metallised yarn.	
	<b>Heading/Cross Border :</b>	
	Can be defined as any pattern different from that of the body of the fabric woven width-wise with grey, bleached, mercerised or coloured yarn including silk, art silk, zari or any other metallic/metallised yarn.	
5. Gamcha and Angavastram :	(a) Gamcha :	
	Gamcha is a piece of fabric used for covering the upper part of the body and also used for towel purpose as well as for covering the head. It is produced in a loose weave with grey or coloured yarn or in combination of both, made only in cotton which is also jointly characterised by the following :—	
	(i) has a width ranging from 70 cms to 95 cms; and	
	(ii) has a length varying from 1 metre to 1.82 metres.	
	(b) Angavastram :	
	Angavastram is a grey or bleached cloth of plain weave with border with extra warp in the borders which is also jointly characterised by the following :—	
	(i) is manufactured from any natural or man-made fibre (including synthetic) or in any combination thereof;	
	(ii) contains white or coloured yarn or zari or any other metallic/metallised yarn or combination of these in its borders or headings;	
	(iii) has a width ranging from 70 cms to 100 cms (inclusive of selvage);	
	(iv) has a length varying from 1.5 metres to 3.00 metres; and	
	(v) is commonly known by that name.	
6. Lungi :	Lungi is a plain woven cloth using dyed yarn with check pattern, in pieces or in continuous lengths, which is also jointly characterised by the following :—	
	(i) is manufactured from any natural or man-made fibre (including synthetic) or in any combination thereof;	
	(ii) may or may not contain borders;	
	(iii) has a width ranging from 70 cms to 140 cms;	
	(iv) has a length varying from 1.5 metres to 2.5 metres in pieces or in running length; and	
	(v) is commonly known by different names like lungies, sarongs, kailias, mootus, backhkenas and pachheddi.	
7. Shirtings :	Shirting is a fabric made wholly of cotton and woven out of grey or coloured yarn in check pattern which is also jointly characterised by the following :—	
	(i) produced in running lengths; and	
	(ii) has a width varying from 70 cms to 130 cms.	
8. Crepe Fabrics :	Crepe is a fabric produced by highly twisted cotton yarn in warp or weft or both or in combination with normal twisted yarn, which is also jointly characterised by the following :—	
	(i) is produced in running lengths;	
	(ii) is characterised by a crinkled, puchered or pebly surface;	
	(iii) is produced in grey or bleached or coloured form; and	
	(iv) has a width varying from 70 cms to 130 cms.	
9. Towels :	A towel is a piece of fabric woven in plain mat, twill, honey-comb, huck-back or a combination of these weaves with borders or headings which is also jointly characterised by the following :—	
	(i) is made of cotton or blends of cotton with and other fibre;	
	(ii) are made in different dimensions;	

Sl. No.	Item	Range reserved for production by Handlooms
---------	------	--

(iii) may be white or coloured; and

(iv) may contain decorative designs when produced on jacquards. Towel with mat weave is commonly known as Erazha Thorthu in Kerala and Erazha Thundu in Tamil Nadu.

10. Khes, Bed-sheet, Bed-cover, Counter-pane & Furnishings (including tapestry)

(a) Khes :

Khes is a piece of cloth woven either in grey or bleached or coloured yarn in plain or stripes or checked signs in double cloth weave with counts ranging for 2/17s to 2/22s in warp and 8s to 12s in wefts which is also jointly characterised by the following :—

(i) is manufactured wholly from cotton or art silk or combination thereof;

(ii) has a width ranging from 75 cms to 225 cms;

(iii) has a length ranging from 1.50 metres to 2.8 metres; and

(iv) is commonly known by that name.

(b) Bed-sheet :

Bed-sheet is a piece of cloth woven with coloured yarn in the border length-wise and width-wise and which may be used on a bed and includes sheeting which is also jointly characterised by the following :—

(i) is manufactured wholly from cotton or art silk or in combination thereof;

(ii) is of any weave including satin, a combination of weaves with or without dobby or jacquard;

(iii) has a width ranging from 110 cms to 155 cms;

(iv) has a length ranging from 1.5 metres to 2.8 metres; and

(v) is commonly known by that name.

(c) Bed-cover :

Bed-cover is a piece of cloth woven in grey or bleached or coloured yarn with or without checks or in floral or in geometrical designs with woven borders and/or headings having a decorative or coloured effect used as outer covering of a bed when not in use, which is also jointly characterised by the following :—

(i) is manufactured wholly from cotton or art silk or in combination thereof;

(ii) is of any weave including satin or a combination of weaves with or without dobby or jacquards;

(iii) has a width ranging from 75 cms to 225 cms;

(iv) has a length varying from 1.5 metres to 2.8 metres; and

(v) is commonly known by that name.

(d) Counter-pane :

Counter-pane is a piece of cloth woven either in grey or bleached or coloured yarn with or without stripes or in checks or in floral or in geometrical designs with woven borders and/or headings woven in raised figures and used as outer covering of bed, which is also jointly characterised by the following :—

(i) is manufactured wholly from cotton or art silk or in combination thereof;

(ii) it may be of any weave including satin or a combination of weaves with or without dobby or jacquards;

(iii) has a width ranging from 75 cms to 225 cms;

(iv) has a length varying from 1.50 metres to 2.8 metres; and

(v) is commonly known by that name. It is also known as "candle wick" in some areas.

S. No.	Item	Range reserved for production by Handlooms
		(e) Furnishings (including tapestry) : Furnishings (including tapestry)—is a piece of cloth woven either in grey or bleached or coloured yarn and woven in double cloth weave or pique weave, which is also jointly characterised by the following:— (i) is manufactured wholly from cotton or art silk or in combination thereof; (ii) has a width ranging from 75 cms to 225 cms; (iii) is produced in running lengths; and (iv) is used for furnishing purposes.
11.	Table Cloth, Table Mat and Napkins :	They may either be woven by bleached or dyed yarn with any woven pattern and manufactured wholly from cotton or art silk or in combination thereof, which is also jointly characterised by the following :— (i) are made in different dimensions; (ii) may or may not have fringes; (iii) should have woven borders on all the four sides; and (iv) are commonly known by different names like Table Cloth, Table Mat and Napkin.
12.	Duster and Basta :	Duster is piece of cloth woven out of coarse yarn not exceeding 10s count (including resultant count upto 10s) in plain or twill weave which is also jointly characterised by the following:— (i) is made wholly of cotton; (ii) may or may not have borders on all sides; (iii) is made in different sizes and may be in running lengths; and (iv) is used for mopping.
13.	Chaddar :	Chaddar means any piece of cloth used for covering the body like shawl, woven with grey, bleached or coloured cotton or blended yarn which is also jointly characterised by the following : — (i) It is woven with check or striped pattern. This will also include Mekhala or Phenek Chaddar produced with ornamented designs having border and cross border made in North East India.
14.	Jamakkalam, Durry or Durret :	It is a piece of fabric used as floor covering as durry or durret with extra warp or extra weft figurings, which is also jointly characterised by the following :— (i) it is produced using very coarse counts ranging from 4s to 12s both in warp and weft; (ii) is woven in plain weave or twill weave with their modifications or in combinations of both plain and twill weave or in technique of velvet weaving or chenille technique; (iii) is produced in grey or bleached or dyed yarn of cotton or art silk or in combination with woollen yarn. It is also produced in Mono colour; (iv) it may or may not contain extra warp or extra weft figurings; (v) is characterised by its thick selvages obtained by the use of thick twine as selvages ends; (vi) is made in different sizes and is commonly known by different names in different areas, such as Jamakkalam, durry, durret, etc.
15.	Bukram Cloth :	Bukram cloth is a piece of cloth woven out of coarse yarn used as a padding or lining material for collars of shirts, coats etc., which is also jointly characterised by the following :— (i) it is made from cotton, wool, jute or in blends; and (ii) it is produced in counts of 8s to 12s both in warp and weft.

## Range reserved for production by Handlooms

Sl. No.	Item	
16	Mushru Cloth :	Mashru Cloth is a type of cloth in satin weave with silk or rayon warp and cotton weft and having the characteristics of coloured stripes.
17.	Low reed pick cloth :	<p>All low reed pick cloth in cotton with the following Joint characteristics:—</p> <p>(i) cloth in group III with reeds and picks less than 36 and 32 respectively;</p> <p>(ii) cloth in groups IV, V and VI, with reeds and picks less than 40 and 36, respectively;</p> <p>(iii) cloth in group VII and above, with reeds and picks less than 44 and 40 respectively;</p> <p>(iv) nothing in this direction shall apply to:—</p> <p>(a) dhoties and sarees;</p> <p>(b) sacies;</p> <p>(c) mosquito netting cloth;</p> <p>(d) long cloth;</p> <p>(e) mesh cloth; and</p> <p>(f) dyed and printed cloth.</p>

## Explanation :

The expression group or groups mentioned above has reference to the cloth group or groups specified in the Schedule given below:—

## SCHEDULE

Group	Basic count		Permissible count	
	Warp	Weft	Warp	Weft
I	14	10	9—14	9—12
II	14	14	12—16	13—16
III	20	20	17—21	17—24
IV	22	30	22—25	25—34
V	30	30	26—36	26—34
VI	30	40	35—42	35—42
VII	40	40	35—42	35—42

18. Silk :
- (a) All pure silk fabrics or woven with any percentage of silk in combination with other fibres except :
- (i) grey (unbleached) plain fabrics;
- (ii) bleached fabrics without the use of dyed and metallic yarn without any woven designs; and
- (iii) chiffon, crape and georgette.
- (b) Fabrics made out of wastes of mulberry and non-mulberry silk and yarn.
19. Kambal or Kamblies :
- Woollen kambal or kamblies is a thick fabric made of wool with fibrous surface produced by milling and raising which is also jointly characterised by the following:—
- (i) woollen kambal or kamblies using hand spun, mill spun, worsted, woollen or in combination with any other blended yarn in plain, stripe or check designs;
- (ii) it is produced using counts upto 4 NM count (250 Tex) in warp and weft; and
- (iii) it has a finished weight of 300—550 gm/sq. mt.
20. Barrack Blankets :
- Barrack blanket is a thick fabric made of woollen yarn with fibrous surface produced by milling and raising which is also jointly characterised by the following:—
- (i) woollen blankets using hand spun, mill spun, woollen yarn from natural grey/black wool or combination of this wool with other types of wool and other fibres; and
- (ii) it is produced in any size and in any weave.

Sl. No. Item

Range reserved for production by Handlooms

21. Shawl, Loi, Mufflers, Pankhi, etc :

Shawl is a piece of cloth woven from worsted or woollen or cashmilon or pashmina or any other fibre which is used by ladies or gents for covering their bodies worn over the shoulders without any tailoring process which is also jointly characterised by the following :—

- (i) woven with the designs with wo en borders including those woven with jacquards;
- (ii) using any type of woollen yarn, worsted yarn or blended yarn or in combination thereof;
- (iii) it is woven with any count of yarn;
- (iv) it is woven in any length, width and weight; and
- (v) is commonly known by that name.

The term shawl also includes loi, pankhi as well as mufflers. It will also include traditional shawls like Kulu, Kimsuri, Kani, Pashmina, Dhorì, Liranchu (Tibetan) Scarf etc.

22. Woollen Tweed :

It is a piece of fabric woven by 100 % pure woollen yarn for making coats, jackets, and dress material which is also jointly characterised by the following :—

- (i) It is produced with 7 NM to 9 NM count in warp and weft;
- (ii) it is produced in any length and width;
- (iii) it is produced in checks or stripe designs; and
- (iv) it is produced in twill weave.

[No. DCH/17(3-R)/85-E&S]

C. D. CHEEMA, Jt. Secy.